हर कर्म को श्रेष्ठ बनाने लिए उसमें परमात्मा की याद ज़रूरी

हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि भगवान को याद करो। प्रश्न उठता है कि क्यों हम सिर्फ भगवान को याद करें, क्यों जाप करें? क्या कारण है कि हम सब कुछ करते हुए उन्हीं को याद करें।

अगर हमें यही समझ में नहीं आया कि क्यों सारा दिन भगवान को याद करना चाहिए तो प्रश्नों के जवाब मिलना मुश्किल है। थोड़ा गहराई में उतरने की कोशिश करते हैं। विज्ञान ने और अनुभव ने एक चीज़ प्रत्यक्ष बताई है कि हम जिसको याद करते हैं उनकी मन की स्थिति, हमारे मन की स्थिति के साथ जुड़ जाती है। जैसा वो महसूस कर रहे होते हैं, हम वही महसूस करना शुरू कर देते हैं। हम सबने अनुभव किया होगा कि अगर घर का कोई सदस्य किसी मुश्किल में होता है तो दूर होने के बावजूद भी हमें पता चल जाता है। विज्ञान और अनुभव कहता है कि जिसको हम याद कर रहे हैं, अगर वो तनाव में हैं, परेशान हैं, डर में हैं, तो हमारे मन की स्थिति पर भी वो उदासी, दुःख के वायब्रेशन आ जाएंगे। और हम कहेंगे कि पता नहीं मुझे अच्छा क्यों नहीं लग रहा। क्योंकि हमने किसी को याद किया है, जिसका मन किसी कारण से दुःखी है।

अगर हम निराकार परमात्मा शिव को याद करेंगे जो पवित्रता-ज्ञान-शांति का सागर है, तो हमारे मन की स्थिति उनके साथ जुड़ जाएगी। जब हमारी मनोस्थिति उनके साथ जुड़ जाएगी तब हम उनके जैसा बनने लग जाएंगे। जो आत्माएं सिर्फ परमात्मा को याद करती हैं उनके अंदर परमात्मा की दिव्यता, उनका प्यार और परमात्मा की सर्व शक्तियां समाने लगती हैं, मानो उनकी मन की स्थिति वैसी बन जाती है। और उन्हीं आत्माओं को देवी-देवता कहते हैं। वही आत्माएं सोलह कला सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी, मर्यादा पुरुषोत्तम बन जाती हैं। क्योंकि वो सर्वशक्तिवान परमात्मा को याद करती हैं। उठते-बैठते, खाते-पीते हर कर्म करते हुए मन में सिर्फ परमात्मा की याद बसी है।

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

जो आत्माएं सिर्फ परमात्मा को याद करती हैं उनके अंदर परमात्मा की दिव्यता, उनका प्यार और परमात्मा की सर्व शक्ति यां समाने लगती हैं, मानो उनकी मन की स्थिति वैसी बन जाती है। और उन्हीं आत्माओं को देवी-देवता कहते हैं।

हर कर्म में ईश्वर का ध्यान हो

जब मन में सिर्फ एक का ज्ञान और एक की याद रहती है, तो हम जो कर्म करते हैं उसमें परमात्मा की पवित्रता, परमात्मा का ज्ञान प्रत्यक्ष दिखाई देने लगता है। जब हर कर्म परमात्म ज्ञान के आधार से होगा, तब हमारा हर कर्म सर्वश्रेष्ठ बन जाएगा। हमारा हर संस्कार, दिव्य संस्कार बन जाएगा। तो अब जाकर समझ में आया कि किसको याद करना है, कैसे और क्यों याद करना है? जब तक इन तीन बातों की स्पष्टतः नहीं आती तो वो सम्बन्ध नहीं जुड़ता और वो याद निरंतर नहीं बनती है। वो निराकार परमात्मा शिव जिसकी हम शिवरात्रि पर बहुत महिमा करते हैं, पूजन करते हैं। वो निराकार परमात्मा शिव जब इस सृष्टि पर स्वयं अवतरित होते हैं तो वो सबसे पहले हमें सत्य ज्ञान देते हैं। जिसके आधार से हम उन्हें पहचानते हैं और उनसे सम्बन्ध जुड़ना शुरू होता है। नहीं तो हम कहते थे हम याद तो करना चाहते थे लेकिन क्या करें मन तो यहाँ-वहाँ भटक गया। और वो इसलिए याद नहीं आया क्योंकि हमने उनसे रिश्ता बनाया ही नहीं था। इसे हम इस बात से समझ सकते हैं कि जब भी जीवन में छोटी या बड़ी कोई भी बात आए, तो चेक करना कि सबसे पहले मुझे कौन याद आता है? कई बार ऐसा होता है कि हम इनसे पूछते हैं, सबसे राय लेते हैं। जब कहीं से समाधान नहीं मिलता तब अंत में हम भगवान को याद करते हैं और कहते हैं अब तो तुम्हीं एक सहारा हो। तो वह हमारे रिश्तों की सूची में थोड़ा पीछे चले जाते हैं। लेकिन जब उनके साथ एक बहुत समीप, घनिष्ठ रिश्ता होता है तो सारा दिन हर बात में सबसे पहले वही याद आता है। और जब उनको याद कर लो और उनसे बात कर लो, उनकी टचिंग लेकर अपने जीवन की बात को सॉल्व कर लो तो किसी और से जाकर कुछ मांगने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती है। क्योंकि हमारे सारे सम्बन्ध उनके साथ हैं। अगर हम अभी भी किसी से मांग रहे हैं या किसी से अपेक्षा रख रहे हैं तो समझ लो हमने परमात्मा से संबंध नहीं जोड़ा। क्योंकि जिसका कनेक्शन परमात्मा से जुड़ा वो सृष्टि पर कभी किसी से कुछ मांगेगा ही नहीं। उससे जुड़ गया तो हम सिर्फ देंगे और देते ही रहेंगे। और देते-देते वो ही आत्माएं देवी-देवता बन जाते हैं, तब यह सृष्टि सतयुग बन जाती है।

अहमदनगर-महा.। सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं गुरदासपुर से लोकसभा सांसद सनी देओल से ब्र.कु. सुप्रभा बहन एवं ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके ने मुलाकात करके राजयोग मेडिटेशन से उनको अवगत कराया और ईश्वरीय सौगात देने के साथ ही संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर ब्र.कु. विहान उपस्थित रहे।

नवी मुम्बई-वाशी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, सीआरपीएफ की सीईओ इंद्राणी यादव, ब्रह्माकुमारीज महिला प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी, नवी मुम्बई महानगरपालिका सचिव चित्रा बाविस्कर, कॉर्पोरेटर शिल्पा मोरे, कल्पना नाईक, ब्र.कु. शीला बहन, ब्र.कु. माला बहन व ब्र.कु. तारा बहन।

गंजबासौदा-म.प्र.। महाशिवरात्रि पर शिव ध्वजारोहण के पश्चात् उपस्थित हैं विनोद कुमार शर्मा,अपर सत्र न्यायाधीश गंजबासौदा विदिशा, न्यायाधीश नीलम मिश्रा, न्यायाधीश धनेंद्र सिंह परमार, न्यायाधीश संदीप कुमार जैन, न्यायाधीश पार्थ शंकर मिश्रा, न्यायाधीश शशांक सिंह, न्यायाधीश श्री कृष्ण बरार, ब्र.कु. रुकमणी बहन, ब्र.कु. रेखा बहन, ब्र.कु. नंदिनी बहन तथा अन्य।

शांतिवन। ब्रिटिश साम्राज्य का सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ब्रिटिश एम्पायर' प्राप्त करने वाले यूनाइटेड किंगडम के मैग्ना कार्टा वर्ल्ड पीस एंड सस्टेनेबिलिटी फाउण्डेशन के चेयरमैन डॉ. प्रेम शर्मा द्वारा लिखे 'वर्ल्ड ऑफ पीस' अंग्रेजी गीत का ब्रह्माकुमारीज की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने विमोचन किया। इस अवसर पर संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, ओआरसी गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, इस गीत की गायिका डॉ. ब्र.कु. दामिनी मेहता तथा गीत के एक्जीक्युटिव प्रोड्यूसर डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके उपस्थित रहे। इस गीत को संगीत दिया है रौनक पंडित ने।

चंदला-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित 'खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार' कार्यक्रम एवं होली मिलन समारोह में लवकुशनगर से ब्र.कु. सुलेखा बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र की ब्र.कु. रूपा बहन, स्वास्थ्य विभाग से सीएमएचओ एनएम आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा शहर की अन्य महिलाओं सहित ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

रतलाम-डोंगरे नगर(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए पद्मश्री डॉ. लीला जोशी, नामली नगर परिषद अध्यक्ष अनीता परिहार, उपाध्यक्ष पूजा योगी, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति एवं उज्जैन नगर विधानसभा चुनाव प्रभारी अनीता कटारिया, महामंत्री महिला मोर्चा अनीता पाहुजा, समाजसेवी उषा भंडारी तथा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता बहन।

राजनांदगांव-छ.ग.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए वसुधा फाउंडेशन की अध्यक्ष वर्षा अग्रवाल, छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष शारदा तिवारी, ओ कान्हा मंडल की अध्यक्ष अर्चना दास, अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष अनुराधा लोहिया, गुजराती महिला मंडल की अध्यक्ष नीता रायचा, लिनेस क्लब की सदस्य माला शुक्ला, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोगी की पूर्व सदस्य डॉ. रेखा मेश्राम, भाजपा नेता पूर्णिमा साहू, समाजसेवी पदमा आहूजा, कस्तूरबा महिला मंडल की सदस्य उमा रुंगटा, समाजसेवी बहन कंचन तथा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पुष्पा बहन।

ध्रांगध्रा-सुरेन्द्र नगर(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर में शिव संदेश शोभा यात्रा निकालकर दिया परमात्म संदेश।

विदिशा-गुलाबगंज(म.प्र.)। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में पूर्व जनपद अध्यक्ष राकेश कटारे, पूर्व जनपद अध्यक्ष छत्रपाल शर्मा, जनपद सदस्य सचिन यादव, ब्र.कु. नंदिनी बहन, ब्र.कु. रेखा बहन, ब्र.कु. रुकमणी बहन तथा अन्य।